INDIAN MUSIC- Pt- III
(Vocal & Instrumental) – 2013

Scheme :
Theory Papers Min. Marks : 29 Max. Marks : 80

Paper I 2 Hours per week 3 hrs. Max. Marks 40 Paper II 2 hrs. Per Week 3 hrs. Max. Marks 40 Practical I & II Min. Marks : 44 Max Marks : 120 Practical I 6 hrs. Periods per week Max Marks : 80 Practical II 4 hrs. periods per week Max Marks : 40

Paper-I- "Principles of Indian Music"-III

Time :3 hours Max. Marks : 40

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 05

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 15

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 20

Unit – I

1. Comparative Study of ragas of the prescribed course.
2. To write Theka of following tal in Dugun Tigun & Chaugun:Sooltal Adachautal, panjabi, Dhamar, Teevra, Rupak, Ektal, Jhaptal.
3. Notation : Writing of Composition of prescribed course.

Unit – II

1. Historical study of Rag Classification in details (Matang to Modern period)
2. Qualities of Good Music Listeners.

Unit-III

1. Description of following Gharana's Agra, Gwalior, Kirana, Senia
2. Utility of Gharana in the present context.

Unit-IV

1. Utility of music in Society.
2. Utility of Music in Therapy
3. Contribution of woman musicians in the field of music.

Unit-V

1. Folk Music with special reference to Rajasthani Folk Music.
2. Qualities of good music performer & performance.

Paper-II-"Knowledge of Indian Music:Applied & General"-III

Time : 3 hours Max. Marks : 40

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 05

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words.
Total marks : 15

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted.
Total marks : 20

Unit-I

1. Importance of composition in classical music and qualities of good composition.
2. Classical music publicity & media.
3. Aim of music education in Universities.

Unit-II

1. Modern Shuddha Scale of Karnataka & Hindustani Music.
2. Major & Minor Scale of Western Music.
3. Frequencies of Shuddha & Vikrit notes of Indian & Western Music.

Unit –III

1. Contribution of the following artists:- Pt. Nikhil Banarjee. Pt. Omkar Nath Thakur, Ustad Ali Akbar Khan. Pt. S.N. Ratanjankar.
2. Impact of Rajasthani Folk Music on Classical Music.
3. Professional dimensions of music.

Unit-IV

1. Utility of time theory
2. Raga & Rasa.
3. Ragang classification of Pt. Narayan Moreshwar Khare.

Unit-V

1. Classification of musical instrument.
2. Application of music in education.
3. Career for students offering music.

PRACTICAL-I

Max. Marks: 80 6 hrs period per week

Ragas Prescribed :

1. To sing/ play slow Khyal gat and a fast Khyal gat of the candidate choice. Marks 20
2. To sing/play slow Khyal./gat of examiner's choice. Marks 15
3. To sing/play fast Tarana/gat of examiner's choice. Marks 15
4. To sing a dhrupad or Dhamar with Layakaris / Alap with special practice in meend. Gamak, Krinatan, Zazama. Marks 10
5. To play Thekas on Tabla. Marks 10
6. Tunning of Instrument Tanpura/Sitar. Marks 05
7. To sing/play given combinations or recognize etc. Marks 05

Ragas prescribed :

Jaijaiwanti, Purvi, Patdeep, Marva, Puriya, Bihag, Jounpuri, Shudha Sarang, Sudha Kalyan, Gaud Malhar.

Instructions for students offering Vocal Music:

1. To the accompaniment of Table to sing slow & drut khayal with sufficient varieties of Alaps and Tans in any four Ragas.
2. To sing drut khyals in any four ragas not selected under Clause I.
3. To sing Dhrupad & Dhamar with sufficient Layakaris in two Ragas not selected under Clause I and II
4. To sing a Tarana in any Raga.

Instructions for students offering Instrumental Music:

1. To the accompaniment of Tabla to play slow and fast gat with sufficient alaps & Tans with variety in any four Ragas from prescribed Ragas.
2. To Play fast gat any four Ragas not selected under Clause I.
3. To play Alaps with special practice in meend, krintan, Gamak, Jamjama in any two Ragas. Not selected under Clause I and II
4. To play three gat in any Raga Composed in Roopak Jhaptal, Dadara & Ektal.

Common Instructions:

1. To play Thekas on Tabla of the following Talas, Choutal. Jhumara, Tilwada.
2. Practice of Tunning of the Instrument which offered.

Books Recommended:

1. Pt. Bhatkhande Krmik Pustak malika part –I, II, III and IV
2. Rag Darshan _ II : Manik Bhua Thakurdas.
3. Abhinav Raag Manjari by Pt. S.N. Ratanjankar
4. Sangeet Sushma I, II, III and ICV.
5. Khyal Darshan _ Pt. Manik Bhua Thakurdas.

6. Rag Parichaya Part- I, II by Harish Chandra.
7. Sitar Malika- Bhagwat Saran Sharma.
8. My Music, My Life_ Ravi Shanker.
9. Sangeet vishard – Vasant

PRACTICAL –II
(Vocal & Instrumental)

4 Hours period Per Week Max. Marks: 40

Prescribed Ragas (Vocal & Instrumental) – Basant, Bahar, Todi, Multani

(A) Stage performance (Vitambit & Drut Khayl/Vuitambit & Drut Gat of student's choice with Alap & Tan) 20 Marks

(B) Drut Khayal/Drut Gat with Alap and Tan of Examiner's Choice. 10Marks

(C) Comprative Study of Ragas- 10 Marks

भारतीय संगीत तृतीय वर्ष – 2013
(कंठ और वाद्य)

सैद्धांतिक

	अवधि	अधिकतम अंक : 80	न्यूनतम अंकः 29	कालांश
प्रथम प्रश्न पत्र	3 घंटे	40		2 घंटा प्रति सप्ताह
द्वितीय प्रश्न पत्र	3 घंटे	40		2 घंटा प्रति सप्ताह
प्रायोगिक प्रथम व द्वितीय		अधिकतम अंक : 120	न्यूनतम अंकः 44	
प्रायोगिक प्रथम		80		6 घंटा प्रति सप्ताह
प्रायोगिक द्वितीय		40		4 घंटा प्रति सप्ताह

सैद्धान्तिक–प्रथम प्रश्नपत्र–भारतीय संगीत के सिद्वांत–तृतीय

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 40

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न होगा, जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें।प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 05

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक–15

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 20

इकाई– प्रथम

1. पाठ्यक्रम की रागों का तुलनात्मक अध्ययन।
2. निम्नलिखित तालों को ठेके, दुगुन, तिगुन व चौगुन से लिखना – सूलताल, आड़ाचौताल, पंजाबी, धमार, तीव्रा व रूपक, एकताल, झपताल।
3. पाठ्यक्रम की बंदिशों को स्वरलिपि में लिखना।

इकाई– द्वितीय

1. राग वर्गीकरण ऐतिहासिक अध्ययन (मतंग के समय से आधुनिक काल तक)
2. संगीत श्रोता के विशेष गुण (विशेषतायें)

इकाई– तृतीय

1. निम्नलिखित घरानों का वर्णन –
   आगरा, ग्वालियर, किराना, सेनिया।
2. वर्तमान युग में घरानों की उपयोगिता।

इकाई– चतुर्थ

1. समाज में संगीत की उपयोगिता।
2. चिकित्सा में संगीत की उपयोगिता।
3. संगीत क्षेत्र में महिला संगीतकारों का योगदान।

इकाई– पंचम

1. लोक संगीत राजस्थानी लोक संगीत के विशेष संदर्भ में।
2. कलाकार के अच्छे संगीत प्रदर्शन की विशेषता।

सैद्धान्तिक–द्वितीय प्रश्नपत्र–भारतीय संगीत का व्यावहारिक और सामान्य ज्ञान – तृतीय

समय –3 घंटे अधिकतम अंक– 40

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न होगा, जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगें।प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक – 05

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक–15

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो। कुल अंक – 20

इकाई– प्रथम

1. शास्त्रीय संगीत में बंदिशों का महत्व एवं अच्छी बंदिशों की विशेषतायें।
2. शास्त्रीय संगीत एवं प्रचार प्रसार माध्यम।
3. विश्वविद्यालयों में संगीत शिक्षा के उद्धेश्य।

इकाई– द्वितीय

1. हिन्दुस्तानी व कर्नाटक संगीत के आधुनिक शुद्ध सप्तक
2. पाश्चात्य संगीत के मेजर व माइनर सप्तक
3. भारतीय संगीत और पाश्चात्य संगीत के शुद्ध एवं विकृत स्वरों की आदोलन संख्या।

इकाई– तृतीय

1. निम्नलिखित संगीतज्ञों का संगीत जगत में योगदान–

पंडित निखिल बैनर्जी, पंडित औंकारनाथ ठाकुर, उस्ताद अली अकबर खां, पंडित एस.एन. रातंजनकर।

2. राजस्थानी लोक संगीत का शास्त्रीय संगीत पर प्रभाव।
3. संगीत के व्यावसायिक आयाम व उपादेयता।

इकाई– चतुर्थ

1. समय सिद्धांत की उपयोगिता।
2. राग एवं रस।
3. पंडित नारायण मोरेश्वर खरे का रागांग वर्गीकरण।

इकाई– पंचम

1. संगीत वाद्यों का वर्गीकरण।
2. शिक्षा में संगीत का उपयोग।
3. संगीत के विद्यार्थियों का भविष्य (कैरियर)

भारतीय संगीत –कंठ एवं वाद्य – प्रायोगिक प्रथम

अधिकतम अंक– 80 कालांश : 6 घंटा प्रति सप्ताह

पाठ्यक्रम की रागें (कंठ एवं वाद्य)

जयजयवंती, पूर्वी, पटदीप, मारवा, पूरिया, बिहाग, जौनपुरी, शुद्ध सारंग, शुद्ध कल्याण व गौड़ मल्हार ।

1. कोई भी विलम्बित बंदिश/गत और द्रुतख्याल/गत विद्यार्थी की इच्छानुसार गाना बजाना। अंक 20
2. विलम्बित बंदिश/ गत और द्रुतख्याल / गत विद्यार्थी की इच्छानुसार अंक 15
3. तराना / गत द्रुतलय में परीक्षक की इच्छानुसार। अंक 15
4. ध्रुपद, धमार/मीड़, जमजमा, गमक की तैयारी व लयकारी के साथ गाना बजाना अंक 10

5. तबले पर तालों के ठेके बजाना। अंक 10

6. विद्यार्थी द्वारा अपने वाद्य को (तानपुरा–सितार) मिलाना। अंक 05

7. पाठ्यक्रम की रागो के स्वरों को गाना बजाना। अंक 05

कंठ संगीत के विद्यार्थियों के लिये –

1. किन्हीं चार रागों में विलम्बित व द्रुत बंदिश आलाप व तानों सहित तैयार करना।
2. किन्हीं चार रागों में मध्यलय, द्रुतलय में बंदिश तैयार करना। जिन रागों में विलम्बित बंदिश तैयार की है, उनसे अलग रागों में तैयार करना।
3. किन्हीं दो रागों में (बंदिशों के अतिरिक्त) ध्रुपद, धमार, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित तैयार करना।
4. किसी एक राग में तराना।

वाद्य संगीत के विद्यार्थियों के लिये

1. किन्हीं चार रागों में विलम्बित व द्रुत बंदिश आलाप व तानों सहित तैयार करना।
2. किन्हीं चार रागों में मध्यलय– द्रुतलय में द्रुतगत तैयार करना। जिन रागों में विलम्बित बंदिश तैयार की हैं, उनसे अलग रागों में तैयार करना।
3. आलाप, मीड़, कृंतन, जमजमा किन्हीं दो रागों में विशेष तैयारी के साथ।उक्त रागों के अतिरिक्त होंगी।
4. रूपक, झपताल , दादरा, एकताल। ताल में कोई तीन गत तैयारी के साथ।

कंठ विद्यार्थियों के लिये

1. तबले पर चौताल, झूमरा, तिलवाड़ा तालों के ठेके बजाना।
2. तानपुरा, सितार या अपना वाद्य मिलाना।

भारतीय संगीत–कंठ एवं वाद्य–प्रायोगिक द्वितीय

कालांशः 4 घंटा प्रति सप्ताह अधिकतम अंक– 40

पाठ्यक्रम की रागें (कंठ एवं वाद्य) – बसंत, बहार, तोड़ी व मुल्तानी

अ. मंच प्रदर्शन (किसी भी राग में, विद्यार्थी की इच्छानुसार बड़ा व छोटा ख्याल/विलम्बित एम द्रुतगत, आलाप एवं तान सहित) अंक 20

ब. परीक्षक की इच्छानुसार किसी भी राग में एक द्रुत ख्याल/गत अलाप तान सहित। अंक 10

स. रागों का तुलनात्मक अध्ययन अंक 10